संस्कृत

स्नातक प्रतिष्ठा प्रथम खण्ड

(B.A. Part - I Sanskrit Hons.)

प्रथम पत्र.

पूर्णांक - 100

1. व्याकरण

लघु सिद्धान्त कौमुदी-वरदराज

पठ्य अंश - संज्ञा एवं संधि प्रकरण ?

अंक निर्धारण :

(क) संज्ञा प्रकरण - 20 अंक

(ख) संधि प्रकरण - 30 अंक

2. संस्कृत साहित्य का इतिहास . - 50 अंक

पाठ्य अंश - रामायण, महाभारत, पुराण, महाकाव्य

नाटक, गद्य, कथासाहित्य, गीतिकाव्य

और काव्य शास्त्र

अंक निर्धारण :

(क) दो आलोचनात्मक प्रश्न - 15 x 2 = 30 अंक

(ख) दो पर टिप्पणी - 10 x 2 = 20 अंक

3. पाठ्यग्रंथों से वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10 अंक

1. लघु सिद्धान्त कौमुदी - गोविन्द प्र० शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन

2. संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय

3. संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ० उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'

द्वितीय पत्र

पाठ्यक्रम

मेघदूतम् (पूर्व मेघ) - कालिदास

रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग) - कालिदास

किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) - भारवि

शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग) - माघ

अंक निर्धारण :

प्रत्येक ग्रन्थ से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न	-	13 x 4 = 52 अंक
दो ग्रन्थों से व्याख्या	-	10 x 2 = 20 अंक
प्रत्येक ग्रन्थ से एक-एक अनुवाद	-	7 x 4 = 28 अंक

संस्कृत

स्नातक प्रतिष्ठा द्वितीय खण्ड

(B.A. Part - II Sanskrit Hons.)

तृतीय पत्र

पूर्णांक - 100

1. व्याकरण -

वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी-भट्टोजिदीक्षित

पाठ्यांश - कारक प्रकरण - 36 अंक

अंक निर्धारण -

(क) चार सूत्रों की व्याख्या 5 x 4 = 20 अंक

(ख) सूत्रोल्लेखपूर्वक निभक्ति निर्देश 4 x 4 = 16 अंक

पाठ्य अंश - संज्ञा एवं संधि प्रकरण ?

2. गद्य -

(क) कादम्बरी - बाणभट्ट - 32 अंक

पाठ्यांश-शुकनासोपदेश

(ख) शिवराजविजय-पं॰ अम्बिकादत्त व्यास - 32 अंक

पाठ्यांश - प्रथम निःश्वास

अंक निर्धारण -

(क) दोनों गद्य ग्रन्थों से एक-एक आलोचनात्म प्रश्न - 15 x 2 = 30 अंक

(ख) दोनों गद्य ग्रन्थों से एक-एक संदर्भ की व्याख्या - 10 x 2 = 20 अंक

(ग) दोनों गद्य ग्रन्थों से एक-एक संदर्भ का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद - 7 x 2 = 14 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. सिद्धान्त कौमुदी - व्या॰ - पं॰ श्रीकान्त चौधरी
2. सिद्धान्त कौमुदी - व्या॰ - श्री धरानन्दाधिलिडयाल
3. शुकनासोपदेश - व्या॰ हरिशचन्द्र विद्यालंकार
4. शुकनासोपदेश - व्या॰ - सुबोधचन्द्र पन्त
5. शिवराजविजय - व्या॰ - विजयशंकर चौबे

B.A. Hons (Part II)

चतुर्थ पत्र

पूर्णांक - 100

पाठ्य :

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालीदास) - 70 अंक

अंक निर्धारण :

(क) दो आलोचनात्मक प्रश्न - 15 x 2 = 30 अंक

(ख) दो पद्यों की व्याख्या, जिनमें एक की व्याख्या संस्कृत में अनिवार्य - 10 + 14 = 24 अंक

(ग) दो पद्यों का हिन्दी या अंग्रेजी में अनुवाद - 8 x 2 = 16 अंक

2. चारूदत्तम् (भास) - 30 अंक

अंक निर्धारण :

(क) एक आलोचनात्मक प्रश्न - 12 अंक

(ख) एक पद्य की व्याख्या - 10 अंक

(ग) एक पद्य का हिन्दी या अंग्रेजी में अनुवाद - 8 अंक

संस्कृत
स्नातक प्रतिष्ठा तृतीय खण्ड
(B.A. Part - III Sanskrit Hons.)

पंचम पत्र

वैदिकवाङ्मय -

पूर्णांक - 100

1. ऋग्वेद संहिता - 40 अंक

पाठ्यांश -

(i) अग्नि सूक्त - 1.1
(ii) सवितृ सूक्त - 1.35
(iii) मरूत् - 1.85
(iv) सूर्य - 1.115
(v) विष्णु - 1.154
(vi) इन्द्र - 2.12
(vii) उषस् - 4.51
(viii) पर्जन्य - 5.83

अंक निर्धारण :

(क) देवता परिचय विषयक प्रश्न (एक) - 10 अंक
(ख) मन्त्रों का हिन्दी या अंग्रेजी अनुवाद (दो) - 5 x 2 = 10 अंक
(ग) मन्त्रों की संस्कृत व्याख्या (दो) - 7.5 x 2 = 15 अंक
(घ) व्युत्पत्तिमूलक टिप्पणियाँ (दो) - 2.5 x 2 = 05 अंक

2. कठोपनिषद् (प्रथम तीन वल्लियाँ) - 20 अंक

अंक निर्धारण :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न (एक) - 12 अंक
(ख) संस्कृत व्याख्या (एक) - 08 अंक

षष्ठ पत्र

पूर्णांक - 100

व्याकरणम्

1. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों का परिचय - 30 अंक

   गुण, वृद्धि, प्रगृह्य, प्रकृतिभाव, पूर्वरूप, पररूप, पद, प्रातिपदिक, संयोग, टि, घि, उपधा, सर्वनाम स्थान, नदी, उपसर्जन, उपपद, परस्मैपद, आत्मनेपद, सार्वधातुक, आर्धधातुक, निष्ठा, कृत्य तथा सम्प्रसारण।

2. लघुसिद्धान्त कौमुदी - वरदराज

   पाठ्यांश -

   समास प्रकरण - 70 अंक

   अंक निर्धारण :

   (क) उपर्युक्त पारिभाषिक शब्दों का परिचय (पाँच) - 6 x 5 = 30 अंक

   (ख) समास प्रकरण से सूत्रों की व्याख्या (चार) - 6 x 5 = 30 अंक

   (ग) सूत्रोल्लेखपूर्वक पदों की रूपसिद्धि (चार) - 5 x 4 = 20 अंक

   (घ) विग्रह पदों का समरूप - 2 x 5 = 10 अंक

सप्तम पत्र

पूर्णांक - 100

काव्यशास्त्र एवं छन्द

1. काव्य दीपिका - 80 अंक

(दोष छोड़कर)

निम्नलिखित अलंकार, अनुप्रास, यमक, उपमा, अनन्वय, रूपक, सन्देह, अपहुति, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, दीपक, दृष्टान्त, व्यतिरेक, समासोक्ति, अप्रस्तुतप्रशंसा, अर्थान्तरन्यास, विभावना, विशेषोक्ति, संस्कर तथा संसृष्टि

2. छन्द - 20 अंक

अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवजा, उपजाति, वंशस्थ, भजङ्गयात, वसंततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिसी, हरिणी, रुक्मिणी, शार्दूलविक्रीडित एवं स्रग्धरा

अंक निर्धारण :-

(क) काव्यदीपिका से आलोचनात्मक (तीन) - 15 x 3 = 45 अंक

(ख) काव्यदीपिका का टिप्पणी (तीन) - 5 x 3 = 15 अंक

(ग) अलंकारों के लक्षण तथा उदाहरण (चार) - 5 x 4 = 20 अंक

(घ) छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण (चार) - 5 x 4 = 20 अंक

paper in writing you
can do anything and
[illegible]
[illegible]

अष्टम पत्र

पूर्णांक

निबन्धा तथा रचना – 80 अंक

वाक् परीक्षा (मौखिकी) – 20 अंक

अंक निर्धारण :

(क) संस्कृत निबन्ध – 20 अंक

(ख) संस्कृत से हिन्दी या अंग्रेजी अनुवाद – 15 अंक

(ग) हिन्दी या अंग्रेजी से संस्कृत में अनुवाद – 15 अंक

(घ) आठ वाक्यों के वाच्य परिवर्तन – 8 x 2.5 = 20 अंक

(ङ) अनेक शब्दों के एक शब्द (पाँच) – 5 x 2 = 10 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. संस्कृत निबन्धावली - डॉ॰ रामजी उपाध्याय
2. निबन्ध कुसुमांजलि - डॉ॰ [illegible] मिश्र
3. निबन्ध शतकम् - कपिलदेव द्विवेदी